Day .....

MONTH : JUNE (NOTES)

SUB : II Lang Hindi

पाठ : * रामानुजन एक महान गणितज्ञ
* इक्कीसवी सदी का भारत
* शब्द भण्डार : अनेकार्थक 1-15
* संधि शब्द विचार, उपसर्ग, प्रत्यय, समास

**इक्कीसवी सदी का भारत**

I शब्दार्थ

P. No. 9

II प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :-

क. भारतवासी दृढ़ विश्वास के साथ क्या कहते हैं?

उ० भारतवासी दृढ़ विश्वास के साथ कहते हैं कि हमारा देश 21वीं शताब्दी में विज्ञान की नई उपलब्धियों में समृद्धशाली औद्योगिक राष्ट्र के रूप में दमक रहा है।

ख कृषि क्षेत्र के विकास में किसका बहुत बड़ा योगदान है?

उ० कृषि क्षेत्र के विकास में हरित क्रांति का बहुत बड़ा योगदान है।

ग हमारे देश को महाशक्ति का प्रतीक बनाने के लिए हमारा परम कर्तव्य क्या है?

उ० अपने देश को महाशक्तिशाली बनाने के लिए हमें प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए। भ्रष्टाचार जैसी समस्या को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए, बढ़ती हुई आबादी

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

को रोकना चाहिए, वैज्ञानिक उपलब्धियों का सदुपयोग करना चाहिए और अपने आचार-विचार में सुधार लाना चाहिए।

(घ) शिक्षा के क्षेत्र में कौन-कौन से कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं?

उ० शिक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा 'प्रौढ़ शिक्षा अभियान' और 'सर्वशिक्षा अभियान' जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

III सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए —

1. क (iii)
ख (iii)
(ग) (ii)
(घ) (ii)

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) भारत को महाशक्ति बनाने में विज्ञान ने क्या भूमिका निभाई है?

उ० हमारे देश को महाशक्ति बनाने में विज्ञान ने बहुत योगदान दिया है। हमारी आणविक शक्ति से अन्य प्रगतिशील देश भयभीत हैं। विज्ञान की नई उपलब्धियों ने देश को मजबूत किया है। इस तरह विज्ञान ने भूमिका निभाई है।

(ख) हम किस प्रकार देश को महाशक्तिशाली बना सकते हैं?

उ० मौखिक उत्तर (ग) लिखें।

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

(ग) आज के समय में कौन-कौन से क्षेत्र हैं, जिनमें निरंतर प्रगति हो रही है?

उ० हमारे देश में औद्योगिक, शैक्षिक, आर्थिक, कृषि सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति हो रही है। विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में, परिवहन और संचार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति होती जा रही है। इससे हमारा देश विकसित होता जा रहा है।

(घ) भारत इतनी प्रगति करते हुए भी किन संघर्षमय स्थितियों का सामना कर रहा है?

उ० आज हम विज्ञान का हाथ पकड़कर और आणविक शक्तियों का सहारा लेकर सुरक्षित होने की कामना कर रहे हैं पर यह विरोधमय सा प्रतीत हो रहा है। हमारी स्वतंत्रता का स्वर्णिम इतिहास कई बुराइयों के कारण धुँधला होता जा रहा है। पर्यावरण की हानि, गरीबी और भ्रष्टाचार के कारण इतनी प्रगति के बाद भी भारत को संघर्षमय स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

(ङ) कृषि क्षेत्र को उन्नत बनाने में कौन सी क्रांति का मुख्य योगदान है?

उ० देश में कृषि उत्पादन प्रगति की ओर अग्रसर है। कृषि करते समय उत्पन्न समस्याओं जैसे बाढ़, सूखे आदि से निपटने के लिए उपयुक्त साधन और तकनीक उपलब्ध हैं। हमारी सरकार द्वारा किसानों के लिए नई-नई योजनाएँ और नीतियाँ बनाई जा रही हैं जिनका कृषि क्षेत्र को उन्नत बनाने में मुख्य योगदान है। कृषि क्षेत्र को उन्नत बनाने में सबसे बड़ा योगदान देशभर में चलाई गई 'हरित क्रांति' को जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

IV खंड 'क' को खंड 'ख' से मिलाइए :

क - (iii)
ख - (iv)
ग - (i)
घ - (ii)

V वर्ण - विच्छेद कीजिए

क) उ + त् + त् + अ + र् + अ

ख) प् + आ + र् + क् + अ

(ग) छ् + आ + त् + र् + अ

(घ) स् + उ + र् + अ + भ् + इ

VI 1. कारकों के भेद लिखिए :

क कर्ता कारक
ख सम्प्रदान कारक
ग करण कारक
घ संबोधन कारक
ङ. अधिकरण कारक
च संबंध कारक
छ अपादान कारक
ज कर्म कारक

2. भाववाचक संज्ञा बनाइए

क. शत्रुता
ख. व्यक्तित्व
ग. मानवता
घ. अपनत्व
ङ. स्वास्थ्य
च. निडरता
छ. भलाई
ज. हरियाली

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

# रामानुजन, एक महान गणितज्ञ

I शब्दार्थ

P. No. 18

II मौखिक उत्तर दीजिए:

क. श्रीनिवास रामानुजन ने अपने चिर जीवनकाल में गणित के कितने प्रमेयों का संकलन किया था?

उ० श्रीनिवास रामानुजन ने अपने चिर जीवनकाल में गणित के 3884 प्रमेयों का संकलन किया था।

ख. श्रीनिवास रामानुजन का जन्म कब हुआ था?

उ० श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर, 1887 को हुआ था।

ग. श्री रामानुजन के पिताजी का क्या नाम था?

उ० श्री रामानुजन के पिताजी का नाम के. श्रीनिवास अय्यंगर था।

घ. श्री रामानुजन की माताजी का नाम क्या था?

उ० श्री रामानुजन की माताजी का नाम कोमलतामल था।

III सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए:

क. (iii) विलक्षण

ख. (i) 3,884

ग. (ii) पाँच वर्ष

घ. (ii) डिप्टी कलेक्टर श्री पी रामास्वामी

ङ. (iii) क्लर्क की

च. (i) हार्डी

Scanned with OKEN Scanner

Day .... .....

IV नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

क. श्री रामानुजन का जन्म कब हुआ था? उनके माता-पिता के बारे में विस्तार से बताइए?

उ० श्री रामानुजन का जन्म २२ दिसंबर, 1887 को हुआ। उनके पिताजी के, श्रीनिवास अय्यंगार एक स्थानीय व्यापारी के पास मुनीम का कार्य करते थे और माताजी कोमलतम्मल थीं।

ख. श्री रामानुजन का स्वभाव कैसा था?

उ० श्री रामानुजन का ~~स्वभाव~~ बहुत ही सरल, सौम्य और मधुर था।

ग. श्री रामानुजन की शिक्षा किस प्रकार हुई?

उ० श्री रामानुजन की शिक्षा कुंभकोणम के प्राथमिक विद्यालय से आरंभ हुई। बाद में वे कैंब्रिज विश्वविद्यालय भी गए, वहाँ से उन्हें बी.ए. की उपाधि मिली।

घ. श्री रामानुजन ने अपने घर की स्थिति (आर्थिक) सुधारने के लिए क्या किया?

उ० श्री रामानुजन ने अपने घर की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी की।

ङ. श्री रामानुजन मद्रास में किससे मिले और उन्होंने क्या किया?

उ० श्री रामानुजन मद्रास में डिप्टी कलेक्टर श्री पी रामास्वामी अय्यर से मिले। उन्होंने वहाँ

Day .....

अपना पहला शोधपत्र 'जर्नल ऑफ इंडियन मैथमैटिकल सोसायटी' में प्रकाशित किया और मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी की।

(ख) प्रोफेसर शेषु अय्यर ने रामानुजन को क्या सुझाव दिया?

उ० प्रोफेसर शेषु अय्यर ने रामानुजन के संख्या सिद्धांत प्रोफेसर हार्डी के पास भेजने का सुझाव दिया।

(छ) श्री रामानुजन ने हार्डी के किस सुझाव को स्वीकार किया और इसके उपरांत रामानुजन ने क्या किया?

उ० श्री रामानुजन ने हार्डी के कैंब्रिज जाकर शोध-कार्य करने के सुझाव को स्वीकार किया। इसके उपरांत उन्होंने कई शोध-पत्र प्रकाशित किए और एक विशेष शोध के लिए कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी. ए. की आधि दी थी।

V वाक्य बनाइए

(क) गणितज्ञ - श्री रामानुजन एक महान गणितज्ञ थे।

(ख) दुर्लभ - श्री रामानुजन गणित के क्षेत्र में एक दुर्लभ व्यक्तित्व हैं।

(ग) विलक्षण - श्री रामानुजन ने गणित के क्षेत्र में अनेक विलक्षण खोज की।

(घ) बौद्धिक - श्री रामानुजन का बौद्धिक विकास दूसरे सामान्य बालकों जैसा नहीं था।

(ङ) प्रतिभा - श्री रामानुजन बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे।

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

## शब्द ज्ञान

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :

1. क. अद्वितीय
ख. अनुपम
ग. अकर्मण्य
घ. अवैतनिक
ङ. उपर्युक्त

शुद्ध करके लिखिए :

2. क. शक्ति
ख. मुनि
ग. हस्तक्षेप
घ. नीरस
ङ. परीक्षा
च. सौम्य
छ. पशु
ज. आशीर्वाद
झ. बीमारी
ञ. सूर्य

वाच्य बदलकर लिखिए :

(क) मोहन खा रहा है।
(ख) सोहन द्वारा श्याम को बुलाया जा रहा है।
(ग) रीता द्वारा परीक्षा दी जा रही है।
(घ) छात्र मैच खेल रहे हैं।
(ङ) उससे हँसा नहीं जाएगा।

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

# अनेकार्थक शब्द (1-15)

व्याकरण भारती - P.No. 40, 41

## शब्द विचार

P. No. 26

1. चित्र के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

* जादू
* सितार
* शब्द

सही विकल्प पर गोला लगाइए

1. क. वर्णों का सार्थक मेल
   ख. जिनका अर्थ होता है

2. क. कुआँ  ङ. सोना  झ. कोयल
   ख. सपना  च. साँप
   ग. साँस  छ. मोर
   घ. किसान  ज. सूखा

3. ख. इस स्थान पर एक चित्र चिपकाएँ।
   ग. आज विद्यालय बंद है।
   घ. आज हमारी परीक्षा का परिणाम आएगा।
   ङ. आज मैं बहुत प्रसन्न हूँ

4. क - परंपरा से मान्य शब्द
   ख - विशेषणों के मेल से बने शब्द
   ग - ऐसे यौगिक शब्द, जो विशेष अर्थ व्यक्त करें
   क - दूधवाला  घ. पुस्तकालय
   ख - दयावान  ङ. फूलदान
   ग - धनवान  च. घरवाला

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

5. प्रश्नों के उत्तर लिखिए

क. शब्दों के वर्गीकरण के मुख्य आधार हैं -
1. अर्थ के आधार पर
2. उत्पत्ति के आधार पर
3. रचना के आधार पर
4. रूपांतर के आधार पर

ख. * वाक्य में प्रयोग करने पर जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल, कारक इत्यादि के आधार पर परिवर्तन आ जाता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया विकारी शब्द हैं।
* वाक्य में प्रयोग करने पर जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल, कारक इत्यादि के आधार पर परिवर्तन नहीं आता है, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। क्रियाविशेषण संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक अविकारी शब्द हैं।

संधि P. No. 19

चित्र के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
* परि + आवरण
* इ
* आ
* इ + आ = या

P. No. 21

1. परमाणु
2. गुरुपदेश
3. परमेश्वर
4. मतैक्य
5. इत्यादि
6. गायक

Day .....

P. No. 23

1. सत् + भावना
2. जगत् + नाथ
3. उत् + लास
4. सम् + कल्प

P. No. 24 & 25

सही विकल्प पर गोला लगाइए

1. क. दीर्घ संधि
   ख. स्वागत

2. क. दिग्दर्शन
   ख. सद्गति
   ग. वाङ्मय
   घ. संतोष
   ङ. संसार
   च. उच्चारण
   छ. सज्जन
   ज. स्वच्छंद
   झ. परिणाम
   ञ. जगदीश

3. क. दुः + गुण
   ख. निः + छल
   ग. दुः + कर
   घ. निः + पाप
   ङ. निः + मल
   च. निः + झर
   छ. मनः + नीत
   ज. मनः + रथ

4. क. निराशा
   ख. दुरुपयोग
   ग. दुर्गंध
   घ. निर्झर
   ङ. बहिर्मुख
   च. दुर्गुण

5. क. दीर्घ संधि में दो समान ह्रस्व या दीर्घ स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं
   जैसे - अ + अ = आ , न्याय + अधीश = न्यायधीश
   वृद्धि संधि में यदि अ / आ के बाद ए अथवा ऐ, ओ अथवा औ आए, तो दोनों मिलकर क्रमशः ऐ तथा औ हो जाते हैं
   जैसे - अ + ए = ऐ , एक + एक = एकैक।

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

ख. यदि किसी वर्ग के पहले वर्ण के बाद किसी वर्ग का तीसरा अथवा चतुर्थ वर्ण हो, अथवा कोई स्वर हो अथवा य, र, ल, व हो, तो पहला वर्ण अपने वर्ग के तीसरे वर्ण में परिवर्तित हो जाता है; जैसे - दिक् + दर्शन = दिग्दर्शन

यदि किसी वर्ग के पहले वर्ण के बाद न अथवा म आए, तो पहला वर्ण अपने वर्ग के पंचम वर्ग में बदल जाता है; जैसे - वाक् + मय = वाङ्मय

ग. विसर्ग का किसी स्वर या व्यंजन से मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं, जैसे - निः + कलंक = निष्कलंक।

## उपसर्ग

P. No. 57

प्र + काश, सु + फल, प्रति + क्रिया, निर् + धन

P. No. 58

1. क. खुश ख. आधा

2. क. अप - ख. सम् ग. निर् घ. उत्
ङ. प्र च. चौ

3. ख. प्र + गति = प्रगति ग. सु + रुचि = सुरुचि
घ. कु + चक्र = कुचक्र ङ. चौ + मंज़िला = चौमंज़िला
च. अप + शब्द = अपशब्द छ. बद + सूरत = बदसूरत
ज. सत् + कार = सत्कार झ. परि + भ्रमण = परिभ्रमण

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

4. ख. मानना , शेष = अवमानना , अवशेष
ग. जन , गुण = निर्जन , निर्गुण
घ. आचार उपयोग = दुराचार , दुरुपयोग
ङ. पक्ष , कार = विपक्ष , विकार

5. अनुचर - अनु + चर
अभिभाषण - अभि + भाषण
सजग - स + जग
सुपुत्र - सु + पुत्र
अवनति - अव + नति
बेवजह - बे + वजह
असत्य - अ + सत्य
अनुरूप - अनु + रूप

6. क. उपसर्ग ऐसे शब्दांश होते हैं, जो मूल शब्द से पहले लगकर उसके अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं तथा नए शब्द का निर्माण करते हैं।

ख. हिंदी में प्रचलित उपसर्ग चार हैं —
1. संस्कृत के उपसर्ग
2. हिंदी के उपसर्ग
3. उर्दू के उपसर्ग
4. उपसर्ग की भाँति प्रयोग होनेवाले संस्कृत के अव्यय

प्रत्यय P. No. 61

★ भुलक्कड़ , गायक , होनहार , दयालु

P. No. 63

★ मोटापा , चुड़ियाँ , मनुष्यता , नौकरानी

1★ ये शब्दांश होते हैं
धातु के

Day .....

2. ख. रट अंत
ग. लूट एरा
घ. बेल न
ङ. रख वाला
च. चिल्ल आहट

3. क. रसोइया
ख. सँपेरा
ग. पत्रकार
घ. जादूगर
ङ. चिकनाहट

4. छलिया, छलना, छलनी, छलावा
मिलाप, मिलान, मिली, मिलावट
सजावट, सजाई, सजाना, सजौंक

5. क. 'कृत प्रत्यय' धातुओं के अंत में जुड़कर संज्ञा अथवा विशेषण शब्दों का निर्माण करते हैं। 'तद्धित प्रत्यय' संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण या अव्यय के अंत में लगकर उनके अर्थ को परिवर्तित करते हैं।

ख. तद्धित प्रत्यय के आठ भेद होते हैं—

1. कर्तृवाचक
2. भाववाचक
3. क्रमवाचक
4. संबंधवाचक
5. बहुवचनवाचक
6. स्त्रीलिंगवाचक
7. लघुतावाचक
8. गुणवाचक

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

# समास

P. No. 65

प्रयोगशाला * लड़का - लड़की * पुस्तकालय
श्यामपट

P. No. 66

धनी से हीन - अपादान तत्पुरुष
डाक के लिए गाड़ी - संप्रदान तत्पुरुष

P. No. 67

प्रधान है जो मंत्री - कर्मधारय
चार मासों का समाहार - द्विगु

P. No. 68

क. आमरण
ख. अव्ययीभाव समास का

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अव्ययीभाव | - | क्रियाविशेषण | - | यथाशीघ्र |
| तत्पुरुष | - | विभक्तियाँ | - | गगनचुंबी |
| कर्मधारय | - | विशेषण - विशेष्य | - | नीलगाय |
| द्विगु | - | संख्या | - | अष्टाध्यायी |
| द्वंद्व | - | योजक चिह्न | - | मूखा-ज्वाला |
| बहुव्रीहि | - | सांकेतिक अर्थ | - | चक्रपाणि |

ख. गुणहीन अपादान तत्पुरुष
ग. रोगग्रस्त करण तत्पुरुष
घ. राहखर्च संप्रदान तत्पुरुष
ङ. जलधारा संबंध तत्पुरुष
च. सिरदर्द अधिकरण तत्पुरुष

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

4. नीला है जो गगन — कर्मधारय समास
सात ऋषियों का समूह — द्विगु समास
तीन रंगों का समाहार — द्विगु समास
नौ ग्रहों का समूह — द्विगु समास
महान है जो राजा — कर्मधारय समास
खड़ी है जो बोली — कर्मधारय समास

5. क. बहुव्रीहि समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता, बल्कि इसके दोनों पद मिलकर अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी सांकेतिक अर्थ को व्यक्त करते हैं। कर्मधारय समास में उत्तरपद प्रधान होता है तथा पहला पद विशेषण या उपमान होता है एवं दूसरा पद विशेष्य या उपमेय होता है।

ख. द्विगु समास में पहला पद संख्यावाची होता है तथा बहुव्रीहि समास में दोनों पद मिलकर अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी सांकेतिक अर्थ को व्यक्त करते हैं।

x — x — x — x

Scanned with OKEN Scanner